षोडश

बिहार विधान सभा

अष्टम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 10 अग्रहायण, 1939 (श0) / 1 दिसम्बर, 2017 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 03

(1) स्वास्थ्य विभाग	03
कुल योग —	03

कचरा प्रोसेसिंग कराना

11. श्री ललित कुमार यादव--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में सरकारी एवं निजी कुल 25,000 अस्पताल हैं जिनमें से मात्र 5,000 अस्पताल निर्बंधित हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रत्येक अस्पताल के मेडिकल कचरा को पटना, भागलपुर एवं मुजफ्फरपुर शहर में स्थित कॉमन सुविधा सेंटर में प्रोसेसिंग कर निस्तारण किये जाने का प्रावधान है ;

(3) क्या यह बात सही है कि राज्य के अस्पतालों से 8,900 किलो ग्राम मेडिकल कचरा प्रतिदिन निकलता है परन्तु निस्तारण मात्र 1,000 किलो ग्राम का ही हो पाता है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के सभी अस्पतालों के मेडिकल कचरा को कॉमन सुविधा सेंटर में प्रोसेसिंग कराना सुनिश्चित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बीमारी की रोक-थाम

12. श्री भाई वीरेन्द्र--हिन्दी दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक 1 नवम्बर, 2017 को प्रकाशित शीर्षक ''डेंगू और चिकनगुनिया से पटना पस्त'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य के राजधानी पटना के पी०सी० कॉलोनी, हनुमान नगर, चित्रगुप्त नगर, ट्रान्सपोर्ट नगर, गर्दनीबाग, शास्त्रीनगर आदि तमाम क्षेत्रों के निवासी विगत 3-4 वर्षों से डेंगू एवं चिकनगुनियां नामक घातक बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं जिनका समुचित इलाज सरकारी अस्पतालों में नहीं हो पाने के कारण लोग निजी अस्पतालों में इलाज कराने को विवश हैं, यदि हाँ, तो उक्त घातक बीमारी की रोक-थाम एवं समुचित इलाज हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है ?

मरीजों को लाभ देना

13. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कैंसर का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और प्रत्येक वर्ष राज्य के विभिन्न अस्पतालों में 90 हजार कैंसर के मरीज इलाज के लिये आते हैं जिसमें से 40 हजार लोगों की मौत हो जाती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रीवेंशन एण्ड कंट्रोल ऑफ कैंसर डायबिटीज कार्डियो वेशकुलर डिजीज एण्ड स्ट्रोक (एन०पी०सी०डी०सी०एस०) कार्यक्रम के तहत 45 करोड़ की लागत से दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैंसर मरीजों के लिये टेरटियरी केयर कैंसर सेन्टर (टी०सी०सी०सी०) की स्वीकृति 2014 में ही दी गई थी ;

(3) क्या यह बात सही है कि खंड (2) में वर्णित स्वीकृत कैंसर सेंटर का निर्माण कार्य अभीतक दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रारंभ नहीं हुआ है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड (2) में वर्णित सेन्टर का कबतक निर्माण कर कैंसर मरीजों को इसका लाभ देना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :

दिनांक 1 दिसम्बर, 2017 (ई०) ।

राम श्रेष्ठ राय,

सचिव,

बिहार विधान सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 70-डी०टी०पी०-550